तीन करोड़ रुपए की लागत से मन्दिर परिसर का किया जाएगा नव निर्माण

श्री द्विमुखी चिंताहरण गणपति मन्दिर के नव निर्माण कार्य का भूमिपूजन समारोह बुधवार को

मंदसौर। प्राचीन धर्म नगरी दशपुर में प्रतिष्ठापित श्री द्विमुखी चिंताहरण गणपति मंदिर की विश्व स्तरीय प्रसिद्धी एवं श्रद्धालुओं की बढ़ती आस्था को दृष्टिगत रखते हुए मंदिर समिति ने मंदिर परिसर के नवनिर्माण का संकल्प लिया। इसी निमित्त कार्य शुभारंभ पर भूमि पूजन समारोह का आयोजन 4 फरवरी बुधवार को प्रात: 10:30 बजे शुभ मुहूर्त में रखा गया। भूमिपूजन समारोह में अतिथि के रूप में समाजसेवी मोहन मेघनानी, हरीश गर्ग केडिया, विशाल गोयल, हिम्मत लोढा एवं संजय मित्तल उपस्थित रहेंगे।

इस आशय की जानकारी देते हुए सेठ ईलाजी नाथूराम ट्रस्ट के अध्यक्ष पंडित दिलीप शर्मा, उपाध्यक्ष नरेंद्र अग्रवाल, सचिव गोपाल मंडोवरा, कोषाध्यक्ष राजकुमार सिंहल ने बताया कि भगवान गणेश जी की द्विरूपी प्रतिमा विश्व में और कहीं नहीं है एक ही पाषाण पर निर्मित यह प्रतिमा मंदसौर के नाहर सैयद तालाब से निकली थी। मूलचंद सोनी को सपना आया था और यह प्रतिमा बैलगाड़ी के माध्यम से नरसिंहपुरा में स्थापना हेतु ले जा रहे थे लेकिन बैलगाड़ी इलाजी चौक से आगे नहीं बढ़ी फिर इसी स्थान पर नीम के पेड़ के नीचे प्रतिमा को विराजित किया गया था जो वर्षों तक ऐसे ही रही उसके पश्चात 1990 में मंदिर परिसर का पुन: नवनिर्माण किया गया था और अब भगवान गणेश जी के यहां भक्तों की बढ़ती अपार श्रद्धा को देखते हुए 35 वर्ष पश्चात मंदिर परिसर का विस्तार करते हुए लगभग 3 करोड़ की लागत से आधुनिक तकनीक से मंदिर का निर्माण कराया जा रहा है वृंदावन के प्रेम मंदिर की तर्ज पर आकर्षक और भव्य विद्युत साज सज्जा भी की जाएगी। मंदिर परिसर के नव निर्माण कार्य का भूमि पूजन समारोह 4 फरवरी बुधवार को प्रात: 10:30 बजे कर्मकांड के विद्वान आचार्य डॉ देवेंद्र शास्त्री के आचार्यत्व में रखा गया है। उल्लेखनिय है की प्रतिदिन एवं बुधवार को गणपति जी के दरबार में विशेष महा आरती पूजा अर्चना विद्वान पंडित सत्यनारायण जोशी के सानिध्य में होती है। मंदिर समिति के अध्यक्ष पंडित शर्मा, उपाध्यक्ष अग्रवाल, सचिव मंडोवरा, कोषाध्यक्ष सिंहल एवं ट्रस्टी गण सर्व डॉ कुशल शर्मा, राजेश डोसी, नेम कुमार गांधी, ओंकारलाल शर्मा, विपिन गर्ग, रमेश काबरा, उमेश पारीक, रितेश गर्ग टिंकू ने मंदसौर नगर की धर्म प्रेमी भक्तों से अनुरोध किया कि 4 फरवरी बुधवार को प्रात: 10:30 बजे मंदिर परिसर के नवनिर्माण कार्य के भूमि पूजन समारोह में उपस्थित होकर नव निर्माण में सहयोग करे।

यातायात व्यवस्था में रहेगा परिवर्तन

श्री द्विमुखी चिंताहरण गणपति मंदिर नव निर्माण कार्य के भूमि पूजन समारोह के दौरान 4 फरवरी बुधवार को प्रात: 7:00 से दोपहर 1:00 बजे तक गणपति चौक में दो पहिया एवं चार पहिया वाहन की आवाजाही पूरी तरह बंद रहेगी। जनकुपुरा, बड़ा चौक, धानमंडी, जीवागंज, मदारपुरा क्षेत्र सहित आसपास के अन्य क्षेत्रवासी सुबह 7 बजे से दोपहर 1 बजे तक यातायात व्यवस्था में सहयोग करे।

अफीम उत्पादक को बगैर सर्वे के राहत व मुआवजा देने की मांग

नारकोटिक्स विभाग को सौपा ज्ञापन

मन्दसौर। शनिवार को दोपहर 3,30 बजे मल्हारगढ़ क्षेत्र के किशनगढ़, झारड़ा, हरमाला, लसुडिया कदमाला, बोरखेड़ी, फ़तेपुर, बंड पिपलिया, पामाखेडा, गोपालपुरा, मनासाखुर्द, अनूपपूरा सहित अन्य गांवों में जबरदस्त ओलावृष्टि व तेज बारिश से अफीम की फसल पूरी तरह चौपट होगई है।

किसानों को बगैर सर्वे के राहत एवं मुआवजे की मांग को लेकर मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव परशुराम सिसौदिया की अगुवाई में जिला कांग्रेस अध्यक्ष महेंद्रसिंह गुर्जर एवं मन्दसौर विधायक विपिन जैन की उपस्थिति में मन्दसौर नारकोटिक्स कार्यालय का घेराव व नारेबाजी कर केंद्रीय वित्तमंत्री एवं जिला अफीम अधिकारी के नाम जिला अफीम अधिकारी एस के हिंगड़ को मंगलवार को दोपहर 12,30 बजे ज्ञापन सोपे।

ज्ञापन का वाचन करते हुवे जिला कांग्रेस अध्यक्ष महेंद्रसिंह गुर्जर ने कहा कि मल्हारगढ़ क्षेत्र में हुई ओलावृष्टि से अफीम की फसल पूरी तरह तबाह होगई है अफीम के डोडे सहित पत्ते टूट गए है और अफीम में 100 प्रतिशत नुकसान हुवा है, अफीम की फसल में काफी राशि खर्च होती है और मेहनत भी काफी लगती है। हमारी मांग है कि अफीम उत्पादक किसानों को 10 आरी के नुकसान पर 5 लाख एवं 5 आरी वाले किसानों को 2,50 लाख रुपये का मुआवजा तत्काल दिया जाय, साथ ही वित्त विभाग पुराने नियमो को बदल कर नियमो में संशोधन भी करे। जब भी अफीम नीति बने उस समय अफीम उत्पादक किसानों को भी उसमें सम्मलित किया जाय ताकि वह अनुभव के आधार पर भौगोलिक स्थिति के साथ अफीम उत्पादक किसानों का पक्ष रख सके ।सीपीएस पद्धति को बंद कर सभी किसानों को एक समान 10 आरी के पट्टे चीरा लगाकर अफीम निकालने के लाइसेंस जारी किए जाए।

इस मौके पर कांग्रेसनेता परशुराम सिसौदिया, पुर्व विधायक नवकृष्ण पाटिल, जिला कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष प्रकाश रातड़िया, प्रदेश कांग्रेस के सचिव सोमिल नाहटा, जिला कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष मंजीत सिंह टुटेजा, सह सचिव मुकेश निडर, ब्लॉक कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं कांग्रेसनेता अनिल शर्मा, जनपद सदस्य गणपत पंवार हरमाला, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष विजेश मालेचा, महिला कांग्रेस की महासचिव रूपल संचेती, जिला कांग्रेस के उपाध्यक्ष लियाक़त मेव, बाबुखा मेवाती, रामचन्द्र करुण, सचिव नागेश्वर चौहान, विधानसभा युवक कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल अहीर, राकेश सेन सम्राट, नेमीचंद डाका, प्रितपाल सिंह धाकडी, नागेश्वर चौहान, अनिल मुलासिया, नगर कांग्रेस अध्यक्ष रामप्रसाद फरक्या, भेरूपप्पू गुर्जर, विनोदसिंह, मिट्ठूलाल, राजू शर्मा, देवेंद्रसिंह, फ़तेसिंह, प्रहलाद, तुलसीराम, लालसिंह, सुरेश, शंकरलाल, रामचन्द्र, नानालाल, सुरेशचंद्र, सुखलाल, कैलाशचंद्र, श्रवण, राजेश, मुकेश पंवार, रितेश शर्मा, शंकरलाल, विनय कुमठ, दिनेश गुप्ता झारड़ा सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद थे।

अधीक्षण यंत्री जैन के पदोन्नत होने पर पेंशनरों द्वारा हार्दिक विदाई समारोह

मंदसौर। अधीक्षण यंत्री आर.सी. जैन को कम्पनी द्वारा अतिरिक्त मुख्य अभियंता के पद पर पदोन्नत कर कारपोरेट कार्यालय इंदौर में पदस्थ किया गया है तथा स्मार्ट मीटर संचालन का कार्यभार दिया जाना तय किया गया है। आर.सी. जैन कुशल प्रशासक, मृदुभाषी एवं मिलनसार होकर कम्पनी द्वारा दिये गये दायित्वों को पूर्ण किया है। इस अवसर पर पेंशनर एसोसिएशन अध्यक्ष खूबचंद शर्मा सोसायटी अध्यक्ष अर्जुन झलोया, सचिव राजेन्द्रसिंह चौधरी, सोसायटी उपाध्यक्ष आर.एस. गुप्ता, उपाध्यक्ष पी.एल. कुमावत, मंदसौर डिवीजन अध्यक्ष एच.सी. रायवाल, मल्हारगढ़ डिविजन अध्यक्ष आर.के. शर्मा, सीतामऊ डिवीजन अध्यक्ष रमेशचन्द्र मालवीय, सहसचिव सुमतिलाल जैन, शांतिलाल दूबे, मंदसौर सचिव के.एल. सक्सेना, बालमुकुंद बिलोदिया, रामचन्द्र पाल, घनश्याम चौहान, गुलाबचन्द कछावा, रमेशसिंह, लालूराम खिंचावत, सुंदरलाल पाटीदार, सुभाषचन्द्र बुगदे, हंसराज रोंदवाल, श्यामसुंदर पारिख, हरवंशराय गौड़, मानसिंह चौहान, हीरालाल तनान, सत्यनारायण मालवीय, सुरेश श्रीवास्तव द्वारा उनको पुष्पगुच्छ भेंटकर एवं पुष्पाहार पहनाकर हार्दिक स्वागत अभिनंदन पेंशनर्स कार्यालय में किया गया।

मंदसौर-नीमच संसदीय क्षेत्र में ओलावृष्टि से किसानों को भारी नुकसान

सरकार से तत्काल राहत और विशेष मुआवज़े का अनुरोध

नाहरगढ। संसदीय क्षेत्र के मल्हारगढ़ एवं मनासा विधानसभा क्षेत्रों में हाल ही में हुई भीषण ओलावृष्टि ने किसानों की मेहनत पर कहर बरपाया है। खेतों में खड़ी फसलें बर्बाद हो गईं, जिससे अन्नदाता गहरे संकट में हैं।

किसानों की रायड़ा की फसल पकने की कगार पर थी, गेहूँ, असलिया, तारामीरा और अजमा जैसी फसलें पूरी तरह प्रभावित हुई हैं। संसदीय क्षेत्र की विशेष पहचान अफीम काश्तकारों की फसलें भी पूरी तरह नष्ट हो चुकी हैं। कई जगह पौधे टूट गए हैं, फूल झड़ गए हैं और पूरी फसल बर्बाद हो गई है।

इससे पहले सुवासरा विधानसभा क्षेत्र में वर्ष 2019 में अतिवृष्टि से किसानों को नुकसान हुआ था। उस समय के क्षेत्रीय विधायक डंग ने तत्कालीन कमलनाथ सरकार से बिना किसी सर्वे के किसानों को मुआवज़ा दिलवाकर किसानों की पीड़ा को कम करने का कार्य किया था।

आज जब मल्हारगढ़ विधानसभा क्षेत्र में ओलावृष्टि से भयंकर नुकसान हुआ है और मनासा विधानसभा क्षेत्र भी प्रभावित है, तब क्षेत्रीय विधायक माधव मारू एवं मल्हारगढ़ के विधायक तथा प्रदेश के उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा से मेरा विशेष अनुरोध है कि आप मुख्यमंत्री एवं सरकार से किसानों के लिए तत्काल राहत राशि और उचित मुआवज़ा दिलवाने की पहल करें।

साथ ही, मैं क्षेत्रीय सांसद सुधीर गुप्ता से भी विशेष अनुरोध करता हूँ कि वे इस आवाज़ को केंद्र सरकार तक पहुँचाएँ। अफीम काश्तकारों को विशेष राहत दी जाए और जो किसान इस बार अफीम की खेती नहीं कर पाए हैं, उनके लिए ष्टक्रष्ट का प्रावधान समाप्त कर सीधे डोडा चीरा लगाने का लाइसेंस जारी किया जाए। यह कदम किसानों के हित में अत्यंत आवश्यक है। किसान संकट की इस घड़ी में खड़े हैं। सरकार स्वयं को किसान हितैषी और कल्याणकारी बताती है, अत: यह समय है कि किसानों को वास्तविक राहत दी जाए। किसने की मदद की जाए ब्लॉक कांग्रेस सेवा दल अध्यक्ष राकेश सेन सम्राट (मंदसौर) ने मुख्यमंत्री, दोनों क्षेत्रीय विधायकों और सांसद को पत्र लिखकर अनुरोध किया है कि प्रभावित किसानों को तुरंत उचित मुआवज़ा दिया जाए और अफीम काश्तकारों के लिए विशेष राहत नीति लागू की जाए। किसान ही प्रदेश और देश की रीढ़ हैं। उनकी सुरक्षा और सम्मान ही सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए विशेष संसदीय क्षेत्र के सभी जनप्रतिनिधि एवं सत्ता पक्ष के सभी जनप्रतिनिधियों को सरकार व प्रशासन से ओलावृष्टि से बर्बाद हुई किसानों की फसलों का मुआवजा देने का अनुरोध करना चाहिए।

एक नजर में

शिव परिवार प्राण प्रतिष्ठा समारोह का त्रिदिवसीय आयोजन

भानपुरा। शिवधाम कॉलोनी में त्रिदिवसीय शिव परिवार प्राण प्रतिष्ठा समारोह का आयोजन 3 फरवरी से 5 फरवरी तक श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ किया जा रहा है। आचार्य पंडित प्रथम भारद्वाज के मार्गदर्शन में आयोजित इस धार्मिक अनुष्ठान के अंतर्गत विभिन्न वैदिक एवं पूजन कार्यक्रम संपन्न हो रहे हैं। कार्यक्रम के प्रथम दिन गणेश पूजन एवं कलश यात्रा निकाली गई, वहीं रात्रि में सुंदरकांड का आयोजन किया गया, जिसमें शिवधाम कॉलोनी के परिवारजनों एवं आसपास की महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। आयोजन के दौरान शिव परिवार की मूर्तियों का महास्नान कराकर नित्य पूजा-पाठ एवं धार्मिक अनुष्ठान संपन्न किए गए। समारोह के अंतिम दिन 5 फरवरी, गुरुवार को वैदिक मंत्रोच्चार एवं हर्षोल्लास के साथ शिव परिवार की विधिवत प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। इसके पश्चात महा प्रसादी एवं भंडारे का आयोजन किया जाएगा, जिसमें श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया जाएगा। आयोजन समिति द्वारा समस्त धर्मप्रेमी नागरिकों से कार्यक्रम में सहभागी बनने का आग्रह किया गया है।

सड़क दुर्घटनाओं का केंद्र बना महू-नीमच रोड, जनसुनवाई में आवेदन देकर कलेक्टर से की स्पीड ब्रेकर लगाने की मांग

मंदसौर। शहर के व्यस्ततम महू-नीमच रोड पर स्थित मोतिया खाई नाला और संगीत महाविद्यालय के समीप लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं को लेकर स्थानीय निवासियों में भारी रोष है। इस गंभीर समस्या के समाधान हेतु जागरूक नागरिक शिवशंकर सोलंकी ने जिला कलेक्टर को जनसुनवाई में एक आवेदन सौंपकर जनहित में तुरंत स्पीड ब्रेकर (गति अवरोधक) और संकेतक (रिफ्लेक्टर) लगवाने की मांग की है। श्री सौलंकी ने बताया गया है कि महाराणा प्रताप चौराहे से आगे, मोतिया खाई नाला (राम टेकरी/जनता कॉलोनी मार्ग) और संगीत महाविद्यालय के सामने यातायात का दबाव अत्यधिक रहता है। यह मुख्य मार्ग होने के कारण यहाँ वाहन अत्यंत तीव्र गति से गुजरते हैं। उचित गति अवरोधक न होने की वजह से यहाँ आए दिन छोटी-बड़ी दुर्घटनाएं होती रहती हैं। हाल ही में स्वयं आवेदक भी यहाँ एक सड़क हादसे का शिकार हुए हैं। इस क्षेत्र में स्थानीय रहवासियों के साथ-साथ संगीत महाविद्यालय के विद्यार्थियों और बुजुर्गों का निरंतर आना-जाना लगा रहता है। वाहनों की तेज रफ्तार और अव्यवस्थित यातायात के कारण पैदल चलने वालों के लिए यह मार्ग बेहद असुरक्षित हो गया है। शिवशंकर सोलंकी ने कलेक्टर से विनम्र अनुरोध किया है कि भविष्य में होने वाली किसी भी बड़ी जनहानि को रोकने और यातायात को सुरक्षित बनाने के लिए संबंधित विभाग को आदेशित करें। उन्होंने मांग की है कि उक्त स्थानों पर मानक स्तर के स्पीड ब्रेकर और रात के समय दिखने वाले रिफ्लेक्टर्स लगाए जाएं ताकि राहगीरों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। इस दौरान राजेश चौधरी व महेश परमार भी साथ थे।

पावागढ़ माताजी मंदिर पर सात दिवसीय माघ मेला सम्पन्न, उमड़ी आस्था की भारी भीड़

पिपलियामण्डी। नगर के कनघट्टी मार्ग स्थित पावागढ़ माताजी मंदिर परिसर में आयोजित सात दिवसीय माघ मेला रविवार देर रात्रि तक श्रद्धा और उल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। मेले के अंतिम दिन सुबह से ही मंदिर में दर्शन हेतु श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। दिनभर मंदिर परिसर एवं मेला क्षेत्र में हजारों की संख्या में भक्तों की भीड़ उमड़ी। मंदिर के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में विगत 13 वर्षों से इस माघ मेले का आयोजन किया जा रहा है। इस वर्ष मेला अपने 14वें वर्ष में प्रवेश कर गया, श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। रविवार प्रात: 8 बजे मंदिर के पुजारी चेतनकृष्ण शास्त्री एवं पंडित विजय शर्मा द्वारा विधि-विधान से माताजी की विशेष पूजा-अर्चना सम्पन्न कराई गई। इसके पश्चात प्रात: 10 बजे वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हवन किया गया। 11 बजे पूर्णाहुति संपन्न हुई, वहीं पौने 12 बजे नैवेद्य आरती की गई। दोपहर 12 बजे कन्यापूजन एवं कन्याभोज का आयोजन हुआ, जिसके बाद महाप्रसादी का वितरण प्रारंभ किया गया। महाप्रसादी देर रात्रि लगभग 7 बजे तक चलती रही। मेले में बच्चों एवं युवाओं के लिए झूले, चकरी सहित विभिन्न मनोरंजन साधन आकर्षण का केंद्र रहे। वहीं मनिहारी, कपड़ों की दुकानों एवं खान-पान के स्टालों पर दिनभर भारी भीड़ देखी गई। श्रद्धालुओं ने मेले का भरपूर आनंद लिया। मेले की व्यवस्थाओं में मंदिर समिति के अध्यक्ष चोथमल गुप्ता, महामंत्री हरिप्रसाद गेहलोत, कोषाध्यक्ष संतोष परमार सहित पवन घाटिया, रवि शर्मा, आजादसिंह पुंवार, श्यामलाल पाटीदार, महेन्द्रसिंह शक्तावत, दरबारसिंह, अर्जुन धनगर एवं अन्य समिति सदस्य सुबह से देर रात्रि तक सेवा कार्यों में सक्रिय रूप से जुटे रहे।

भागवत कथा जीवन को दिशा देने वाला दिव्य ग्रंथ : देवेंद्र शास्त्री

ओलावृष्टि को बताया मानव की भूलों का परिणाम, प्रकृति संतुलन बिगाड़ने पर जताई

पिपलियामण्डी। धर्म, भक्ति एवं गौसेवा के पावन उद्देश्य को लेकर आयोजित धर्मध्वजा एवं गौसेवा महोत्सव के अंतर्गत बरखेड़ापंथ स्थित श्री राधे-कृष्ण गौशाला परिसर में पिपलिया पत्रकार हितार्थ एवं सामाजिक कल्याण समिति के तत्वावधान में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के दूसरे दिन श्रद्धा, भक्ति और वैचारिक चिंतन का अद्भुत संगम देखने को मिला।

कथा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु, पत्रकार एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कथा प्रवक्ता देवेंद्र शास्त्री (धारियाखेड़ी) ने अपने ओजस्वी प्रवचन में कहा कि श्रीमद्भागवत कोई साधारण कथा ग्रंथ नहीं, बल्कि उन परमहंसों का चरित्र है, जिन्होंने अपने जीवन में नैतिक मूल्यों, कर्तव्यों और सत्य के मार्ग पर चलकर आदर्श जीवन जिया।' उन्होंने कहा कि भागवत मनुष्य को केवल जीना नहीं सिखाती, बल्कि मृत्यु को भी सुंदर और सार्थक बनाने का उपक्रम है। शास्त्री ने कहा कि मानव जीवन अत्यंत क्षणभंगुर है। जीवन में कब कैसी परिस्थिति उत्पन्न हो जाए, इसका अनुमान लगाना कठिन है। उन्होंने हाल ही में जिले में हुई ओलावृष्टि का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रकृति ने जिले पर कहर बरपाया, जिससे कई गांवों में किसानों की फसलें पूरी तरह नष्ट हो गईं। किसान दिन-रात मेहनत कर फसल तैयार करता है, लेकिन एक ही झटके में उसकी वर्षभर की मेहनत नष्ट हो जाना अत्यंत पीड़ादायक है। उन्होंने कहा कि 'जो घटित हो गया, उसे बदला नहीं जा सकता, लेकिन जो बचा है, उसकी रक्षा करना हमारा दायित्व है।' प्रकृति से संघर्ष नहीं किया जा सकता। यह प्रकृति का तांडव मानव की बड़ी भूलों का परिणाम है। अंधाधुंध वृक्षों की कटाई, पहाड़ों का दोहन और बढ़ता लोभ ही प्रकृति के संतुलन को बिगाड़ रहे हैं, जिसके कारण प्राकृतिक आपदाएं बढ़ती जा रही हैं। कथा प्रवक्ता ने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि जीवन को दिशा देने वाला संदेश है। भक्ति मार्ग में गौसेवा की भक्ति सर्वोत्तम है। गौसेवा से भगवान शीघ्र प्रसन्न होते हैं। यदि कोई मनोकामना पूर्ण नहीं हो रही हो, तो निस्वार्थ भाव से गौसेवा करने से कठिन से कठिन कार्य भी पूर्ण हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि हर स्थान और हर कार्य का एक निश्चित समय होता है। जब समय आता है, तो वह स्थान स्वत: जागृत हो जाता है और उसका महत्व प्रकट हो जाता है। कथा के दूसरे दिन भगवान के 24 अवतारों एवं व्यास-नारद संवाद प्रसंग का भावपूर्ण एवं रोचक प्रस्तुतीकरण किया गया। शास्त्री ने कहा कि भगवान अवतार धारण ही गौ-रक्षा, धर्म की स्थापना और संत-महात्माओं के संकल्प को पूर्ण करने के लिए करते हैं।

धूमधाम से मनाया जाएगा फिर चेटीचंड एवं जल्द होगा जीर्णोद्धार मंदिर का

मन्दसौर। संत कंवर राम कॉलोनी स्थित संत कंवर धर्मशाला में पूज्य सिंधी जनरल पंचायत एवं वरुण देव मंदिर संचालन समिति के तत्वाधान में सकल सिंधी समाज की एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई, जिसमें की वरुण देव चौक स्थित वरुण देव मंदिर के जीर्णोद्धार नवीन निर्माण हेतु एवं आगामी पर्वों को भव्य रूप से मनाने हेतु चर्चा की गई, बैठक में समाज की सभी समितियों के पदाधिकारी सहित सभी समाजजन बड़ी संख्या में इकट्ठे हुए एवं सभी ने सिंधी समाज के आराध्य इष्ट देव भगवान श्री झूलेलाल जी के जन्मोत्सव चेटीचंड एवं स्वामी श्री लीला शाह महाराज के जन्मोत्सव को भव्य रूप से मनाने हेतु अपनी राय रखी, सुझाव रखें एवं समाज के आस्था एवं आराधना का केंद्र वरुण देव मंदिर एवं मुक्तिधाम स्थित स्वामी लीलाशाह जी की कुटिया के जीर्णोद्धार नवीन भवन के निर्माण पर अपनी सहमति दी, एवं आवश्यक सुझाव रखें, पूज्य सिंधी जनरल पंचायत के अध्यक्ष वासुदेव सेवानी ने अपनी बात रखते हुए कहां की वरुण देव मंदिर के भव्य नव निर्माण को लेकर जनरल पंचायत संकल्पित है एवं नव निर्माण की दिशा में अग्रसर है, वरुण देव मंदिर संचालन समिति के अध्यक्ष प्रमोद ककनानी ने कहा भगवान श्री झूलेलाल के प्रमुख पर्व जन्मोत्सव चेटीचंड को भव्य रूप से मनाने हेतु समिति के द्वारा सतत प्रयास किया जा रहे हैं, योजनाएं बनाई जा रही है, जिसमे की सकल सिंधी समाज का संपूर्ण साथ और सहयोग आवश्यक है, जिससे कि हम जन्मोत्सव धूमधाम से मना सके।

बैठक में समाज के सभी प्रमुख आशीर्वाद दाता पदाधिकारी एवं वरिष्ठ जन युवा साथी एवं मातृशक्ति बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। उक्त जानकारी जनरल पंचायत के महासचिव राजेश चाहूजा एवं वरुण देव मंदिर संचालन समिति के महासचिव विजय कोठारी ने दी।

जांगड़ा पोरवाल समाज का 15वां युवक-युवती परिचय सम्मेलन संपन्न

वैवाहिक संस्कार और पर्यावरण चेतना का संगम, 400 से अधिक प्रतिभागियों ने की सहभागिता

मंदसौर। सामाजिक समरसता, पारिवारिक मूल्यों और पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ जांगड़ा पोरवाल समाज का 15वां युवक-युवती परिचय सम्मेलन रविवार को लॉ कॉलेज परिसर में आयोजित हुआ। सम्मेलन में समाज के 400 से अधिक युवक-युवतियों ने सहभागिता कर वैवाहिक परिचय प्रस्तुत किए। सुव्यवस्थित आयोजन, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और सहभागिता ने कार्यक्रम को यादगार बनाया।

कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार, पूजन-अर्चना एवं गणेश वंदना के साथ हुआ। गणेश वंदना रेखा उदिया, निधि गुप्ता, विद्या गुप्ता, ममता मोदी और ज्योति काला ने प्रस्तुत की। स्वागत गीत कुसुम सेठिया, कविता सेठिया, शांति फरक्या, सुधा फरक्या, ममता रत्नावत और रानी रत्नावत द्वारा प्रस्तुत किया गया।

सम्मेलन में समाज के वरिष्ठजनों और अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। जांगड़ा पोरवाल समाज न्यास अध्यक्ष रमेशचंद्र सेठिया ने अपने उद्बोधन में ऐसे आयोजनों को समाज की एकता, पारदर्शिता और भावी पीढ़ी के उज्ज्वल भविष्य के लिए उपयोगी बताया।

सर्वाधिक पंजीयन कराने वाले प्रभारी जगदीश काला, कमल गुप्ता, संजय डपकरा और लोकेंद्र सर्राफ का पगड़ी एवं दुपट्टा पहनाकर सम्मान किया गया। साथ ही विभिन्न क्षेत्रों के 80 पंजीयन प्रभारियों को भी सम्मानित किया गया। पुरस्कार सीए अशोक रत्नावत, एडवोकेट पंकज वेद, जगदीश सेठिया और सुनील धनोतिया की ओर से प्रदान किए गए।

कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि इसे माला-रहित और डिस्पोजल-मुक्त रखा गया, जिससे पर्यावरण संरक्षण का स्पष्ट संदेश दिया गया। विशेष सहयोग के लिए शांति दिनेश फरक्या, अमन फरक्या और व्याख्याता अशोक धनोतिया का सम्मान किया गया।

एक नजर **राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन**

यूजीसी के नए नियमों के विरोध में मंदसौर में उतरा राजपूत समाज

मंदसौर। जिला राजपूत समाज संगठन, मन्दसौर द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा हाल ही में बनाए गए नियमों को भेदभावपूर्ण और असंवैधानिक बताते हुए कड़ा विरोध दर्ज कराया गया है। संगठन ने मंगलवार को राष्ट्रपति के नाम जिला कलेक्टर के माध्यम से ज्ञापन देकर इन नियमों को तुरंत वापस लेने की मांग की है। अन्यथा समाज आंदोलन करने को मजबूर होगा। ज्ञापन के पूर्व महाराणा प्रताप बस स्टैंड पर समाजजनों ने एकत्र होकर यूजीसी के खिलाफ नारेबाजी कर प्रदर्शन किया।

ज्ञापन में जिला राजपूत समाज संगठन ने कहा कि यूजीसी द्वारा जातिगत आधार पर सामान्य वर्ग के प्रति भेदभावपूर्ण नियम बनाए गए हैं। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि इन नियमों में सामान्य वर्ग के छात्रों के साथ होने वाले भेदभाव को शामिल नहीं किया गया है, साथ ही इन नियमों को बनाने वाली समिति में भी सामान्य वर्ग को उचित प्रतिनिधित्व प्रदान नहीं किया गया है। संगठन ने इसे पूरी तरह से गैर-संवैधानिक करार दिया है।

राजपूत समाज के पदाधिकारियों ने बताया कि यूजीसी के इस कदम से समाज के युवाओं और छात्रों में घोर आक्रोश व्याप्त है। जिला अध्यक्ष रूघनाथ सिंह राठौर काचरिया ने स्पष्ट रूप से कहा कि यदि यूजीसी नियम 2026 को वापस नहीं लिया जाता है, तो समाज उग्र आंदोलन करने पर मजबूर होगा।

संगठन ने इस मामले की गंभीरता को देखते हुए ज्ञापन की प्रतिलिपि महामहिम राज्यपाल, मध्य प्रदेश शासन को भी प्रेषित की है। ज्ञापन सौंपने के दौरान संगठन के पदाधिकारी और समाजजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

ज्ञापन देते समय समाज के सैकड़ों सदस्यों उपस्थित थे जिसमें श्री रघुनाथ सिंह राठौर, महेन्द्र सिंह शक्तावत, भोपाल सिंह सिसोदिया, नरेन्द्र सिंह चौहान, अजय सिंह चौहान, भूपेंद्र सिंह राठौर, के के सिंह भाटी, रिपुदमन सिंह चंद्रावत, दशरथ सिंह चंद्रावत, धर्मपाल सिंह देवड़ा, रघुवीर सिंह राठौर, प्रीतिपाल सिंह राणा, जितेन्द्र सिंह राणा, मदन सिंह देवड़ा, गोपाल सिंह कोचवी, कुशाल सिंह शक्तावत, विजेन्द्र सिंह चुंडावत, रघुराज सिंह सिसोदिया, महेन्द्र सिंह भाटी, श्याम सिंह टोलखेड़ी, हिम्मत सिंह राठौर, नरेन्द्र सिंह मोरखेड़ा, गजेंद्र सिंह शक्तावत, राजेन्द्र सिंह चौहान, दिग्विजय सिंह सिसोदिया, निर्मल सिंह सिसोदिया, ज्ञान सिंह राठौर, इन्द्र पाल सिंह सिसोदिया, कुलदीप सिंह शक्तावत, विजय सिंह राठौर, भानुप्रताप सिंह सोलंकी, सत्येन्द्र सिंह सोम, गोविन्द सिंह कोचवी, अरविन्द सिंह राठौर, बालू सिंह सिसोदिया, चंद्रविनोद सिंह सेंगर, रणवीर सिंह राणावत, नरेन्द्र सिंह चंद्रावत, रामपाल सिंह देवड़ा, संदीप सिंह शक्तावत, अजय सिंह सेजपुरिया आदि ओर समाज जन उपस्थित थे। आभार समाज के सचिव भूपेन्द्र सिंह राठौर (खेड़ी) ने माना। यह जानकारी प्रवक्ता के द्वारा दी गई।